पाठ- 4 फिर क्या हुआ ?

पाठ विश्लेषण ,शब्दार्थ

CLASS: V
SESSION NO : 13
SUBJECT : HINDI
CHAPTER NUMBER: 4
TOPIC: फिर क्या हुआ
SUB TOPIC: पाठ विश्लेषण ,शब्दार्थ

शिक्षण उद्देश्य

पाठ के मूलभाव तथा नए शब्दों के अर्थ से परिचय कराना ।

ODM PUBLIC SCHOOL

चिंतन-मनन

मन में आने वाले प्रश्नों के उत्तर जानने चाहिए लेकिन ऐसा करते समय हमें दूसरों की सुविधा को भी ध्यान में रखना चाहिए।

एक बार अकबर बीमार पड़ गए। बीमारी के कारण वे रात-रात भर जागते रहते। नींद उनसे कोसों दूर भाग गई थी। राजवैद्य ने कई दवाइयाँ व उपाय आज़मा लिए, पर कोई लाभ नहीं हुआ। सारी दुनिया रात में सोती और बादशाह अकबर जागते। अकब को तो वैसे ही किस्से-कहानियाँ सुनने का बड़ा शौक था, उस पर अब समय काटना भी मुश्किल हो रहा था।अतः अकबर ने रोज़ रात को एक कहानी सुनने का निश्चय किया।

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

इस तरह प्रतिदिन रात को कोई –न- कोई दरबारी आकर अकबर को कहानी सुनाने लगा। अकबर हर कहानी के अंत में बार-बार पूछते - 'फिर क्या हुआ?' दरबारी परेशान रहने लगे और बीरबल से इस समस्या का उपाय निकालने के लिए कहने लगे।अगली रात अकबर को कहानी सुनाने स्वयं बीरबल पहुँचे। नियमानुसार कहानी समाप्त होते ही अकबर पूछ उठे - 'फिर क्या हुआ ? बीरबल ने उन्हें एक और कहानी सुना दी, लेकिन इसके अंत में भी फिर से अकबर पूछ बैठे- 'फिर क्या हुआ ?' बीरबल परेशान हो गए। फिर बीरबल ने उन्हें एक और कहानी सुनानी शुरू की -

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

“जहाँपनाह, एक जंगल में एक झोंपड़ी में एक गरीब किसान रहता था। वह बहुत बहादुर था, इसलिए उसे बीहड़ जंगल में भी अकेले रहते डर नहीं लगता था। उसने झोंपड़ी के आस-पास की उपजाऊ भूमि पर धान बो दिया था। फ़सल अच्छी हुई, पर अकसर पक्षी अनाज के दाने मुँह में दबाकर ले जाते थे। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए किसान ने एक बड़े से मटके में अनाज भरा और उसका मुँह बंद कर दिया। मटके में बाईं तरफ़ एक छोटा सा छेद कर दिया। अब एक पक्षी आया और छेद के अंदर से अनाज के दाने अपनी चोंच में दबाने की कोशिश करने लगा।“

“ फिर क्या हुआ ?”-अकबर ने पूछा ।

“फिर क्या !उसे बहुत कोशिश करनी पड़ी । आखिर में छेद कुछ बड़ा हुआ और उसकी चोंच में एक दाना आ गया।

“फिर क्या हुआ ?”
“फिर वह उड़ गया ।”
“फिर क्या हुआ ?”
" फिर दूसरा पक्षी आया। उसने भी बहुत कोशिश की, पर छेद छोटा था। "
" फिर क्या हुआ ? "
" फिर काफ़ी माथा -पच्ची करने के बाद आखिर वह भी दाना लेने में सफल हो गया। "
" फिर क्या हुआ ? "

"फिर तीसरा पक्षी आया। वह भी छेद में चोंच घुसाने की कोशिश करने लगा।

“बीरबल ! आखिर कितने पक्षी आएँगे दाना लेने?"

'महाराज! अभी तो तीन ही आए हैं। कुल मिलाकर पाँच सौ पच्चीस पक्षी पेड़ पर बैठे हैं। "

'आखिर ये दाना लेना कब छोड़ेंगे ? "

'जब आप 'फिर क्या हुआ' कहना छोड़ेंगे। "

अब महाराज को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने कहानी सुनना छोड़ दिया। अब उन्हें नींद आने लगी।

शब्द	अर्थ
मुश्किल	कठिन
उपाय	तरीका
स्वयं	अपने –आप
नियमानुसार	नियम के अनुसार
बीहड़	घना
उपजाऊ	कृषि के लिए उपयुक्त
माथा-पच्ची	कोशिश
अहसास	महसूस होना ,अनुभव होना

शिक्षण प्रतिफल

पाठ के मूलभाव से प्रेरणा लेंगे तथा नए शब्दों के अर्थ से परिचय हो पाएंगे ।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE